

ज्ञान मंथन

- 1) केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में बनाये गए नए जिले के नाम क्या हैं?
- 2) यूनीफाइड पेंशन स्कीम लागू करने वाला पहला राज्य कौन बना है?
- 3) हाल ही में किस योजना की 10वीं वर्षगांठ मनाई गई है?
- 4) पृथ्वी पर दिन-रात की अवधि कहां समान होती है?
- 5) एम करुणानिधि के सम्मान में शताब्दी स्मारक सिक्का किसने जारी किया?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) जांखर, दास, शाम, नुवा और वांगमाथ (2) महाराष्ट्र
- (3) वन जन योजना (4) भूखेयरेखा (5) राजनाथ सिंह

महापौर ने किया मेयर इन काउंसिल का पुनर्गठन

राजनान्दागं। महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देरामुख ने छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 37 के प्रावधानों के तहत मेयर इन काउंसिल का पुनर्गठन कर विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी सदस्य के रूप में बाई नं. 30 के पार्षद श्री अमीन हुसू को मनोनित किया है। अलेखनीय है कि महापौर मनोनित होने के उपरान्त महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देरामुख ने छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 37 के प्रावधानों के अनुसार विधिपथ मेयर इन काउंसिल का गठन किया था। निगम अधिनियम अनुसार धारा 37 को उप धारा (3) में स्पष्ट रूप से प्रावधानित है कि मेयर इन काउंसिल के सदस्य महापौर के प्रत्येक पर्सनल पद धारण करेंगे। उक्त नियम के तहत महापौर श्रीमती देरामुख ने मेयर इन काउंसिल का पुनर्गठन करते हुवे श्री राशेन गुप्ता वृत्त प्रभारी सदस्य विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग को मेयर इन काउंसिल से पृथक कर उनके स्थान पर बाई नं. 30 के पार्षद श्री अमीन हुसू को विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी सदस्य के रूप में मनोनित किया है। शेष मेयर इन काउंसिल के प्रभारी सदस्य पूर्व की भांति थायवत रहेंगे। महापौर की अनुमति पर निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने इस आशय का पत्र जारी किया है।

अतिवृष्टि से मकान क्षति होने पर एक लाख 20 हजार रूपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत
राजनान्दागं। (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने दैवीय विपत्तियों के संबंध में राहत मद अंतर्गत तहसील डोंगराव में अतिवृष्टि से एक मकान पूर्णतः क्षति होने पर एक लाख 20 हजार रूपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

मोडिया में साकेत द्वारा राजत जयंती मनाये

संबंधी दूध केक आज
राजनान्दागं। (नांदगांव टाइम्स)। साकेत साहित्य परिषद सुग्री के वैभव तले संरक्षक, वरिष्ठ साहित्यकार कुबेर सिंह साहू के संयोजन में उनके निज निवास मोडिया में 31 अगस्त 2024 को दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे तक साकेत दूध केक, परिचय एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया है। हरिचंद्र के अध्यक्ष अमरकाश साहू अंकुर और सवित्र राजकुमार चौधरी रीना ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बैठक में अंबुबर साहू में होने वाले साकेत के राजत जयंती समारोह के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी। बैठक के रजत जयंती साकेत स्मारिका की प्रगति के बारे में जानकारी दी जाएगी।

भंडारालय चर्चा के बाद परिचय के अंतर्गत महान व्यंग्यकार हरि शर्मा परसाई को व्यंग्य रचनाओं पर चर्चा की जाएगी। परिषद के अध्यक्ष और सचिव ने सभी साहित्यकारों से निवृत्त समय में संयोजन होने की अपेक्षा की है। सांस्कृतिक प्रभारी रूपाली गोर्खी द्वारा कुलेश्वर दास साहू ने दी है।

वर्षा सोनकर, रूपाली कश्यप व खोगेश्वर बाघ शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार से सम्मानित

राजनान्दागं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य खेल अलंकरण समारोह 2024 अंतर्गत आयोजित सम्मान समारोह में हॉकी की नर्सरी राजनान्दागं शहर की उल्कृष्ट राष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी कु. वर्षा सोनकर, बिलासपुर की रूपाली कश्यप वहाँ राजधानी रायपुर के खोगेश्वर बाघ की छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शहीद पंकज विक्रम अवार्ड से सम्मानित किया गया। लगातार कई वर्षों से लीनी खिलाड़ी छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में बेहतरीन खेल प्रदर्शन कर रही हैं। मध्यम वर्गीय परिवार से नाता रखने वाली वर्षा सोनकर ने अपने खेल को अपनी मेहनत और लगन से तरासा है। हॉकी में अपने योगदान के लिए वर्षा सोनकर राजनान्दागं शहर के लिए के लिए एक मिशाल हैं वहीं बिलासपुर निवासी रूपाली कश्यप भी एक मध्यम वर्गीय परिवार से नाता रखती हैं उन्होंने अपने समय से बहुत ही संघर्ष करते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना अच्छा खेल प्रदर्शन करते आज वह छत्तीसगढ़



पुलिस में पदस्थ है वर्तमान में रूपाली कश्यप मोहला में पदस्थ हैं। पुरुष वर्ग में रायपुर के वरिष्ठ खिलाड़ी खोगेश्वर बाघ को भी शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

खोगेश्वर बाघ छत्तीसगढ़ हॉकी के लिए एक मिसाल हैं उन्होंने अपने खेल जीवन में अनेक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया है खोगेश्वर ने अपने

खेल कैरियर की शुरुवात बड़ी कटिनाई एवं संघर्षपूर्ण रास्ते से तय किया है। वर्षा सोनकर, रूपाली कश्यप व खोगेश्वर बाघ को शहीद पंकज विक्रम अवार्ड से सम्मानित किए जाने पर शुभकामनाएं दीं।

छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष प्रिंसोज अंसारी, छत्तीसगढ़ हॉकी संघ के महासचिव मनीष श्रीवास्तव, जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेता, नीलमचंद जैन, कुतुबुद्दीन सोलंकी, रमेश डाकडिया, नरेश डाकडिया (पूर्व महापौर), भूपणा सांव, गणेश प्रसाद शर्मा, दीपल सिंह चंदेल, आशोक यादव, अजित यादव, मनीष गीताम, जानचंद जैन, हॉकी कोच अनुराज श्रीवास्तव, सुशी आशा बामस, कुमार स्वामी, दीपक यादव, आशिष सिन्हा, महेंद्र सिंह हार, खोगेश द्विवेदी, अजय झा, प्रकाश शर्मा, विरेंद्र सिंग भाटिया, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मृणाल चौबे, सचिन खोब्रागडे, विकास वण्णव, राजू रंगारी, गुणवंत पटेल, अब्दुल कादिर, राजू रंगारी, श्रीमति ममता गुप्ता, श्रीमति बबिता लिहवार, किशोरी धीरार, शकाल अहमद, अमित माधु, खेमराज सिन्हा, अभिनव मिश्रा, संदीप यादव, कुणा यादव ने उन्को इस उपलब्धि पर बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दीं।

विद्यार्थियों ने की व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत कृषि ट्रेड को यथावत रखने की मांग



राजनान्दागं। (नांदगांव टाइम्स)। कृषि के विद्यार्थियों ने राज्य परिवोचना कार्यालय द्वारा स्वीकृत व्यावसायिक शिक्षा अंतर्गत कृषि ट्रेड को यथावत रखने की मांग की है। इसी मांग पर उन्होंने बुधवार दोपहर कलेक्टर संजय अग्रवाल के नाम हिंदी कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। राज्य परिवोचना कार्यालय समय शिक्षा द्वारा सत्र 2014-15 से राज्य के विभिन्न विद्यालयों में कृषि ट्रेड को पढ़ाई व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से संचालित की जा रही है। सत्र 2023-24 में 552 विद्यार्थी एवं सत्र 2024-25 में

100 शासकीय विद्यालयों में विभिन्न ट्रेडों के व्यावसायिक शिक्षा संचालन के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत प्रत्येक की गई विधियों में कृषि ट्रेड को शामिल किया गया। लेकिन कार्यालय द्वारा कृषि ट्रेड के स्वीकृत पद को निराल कर दूसरे ट्रेड को लागू करने के लिए सभी शिक्षा अधिकारी एवं प्रचार्य कार्यालय को पदवर्ति पत्र प्रदान करने पत्राचार किया गया है। कृषि उद्यम उद्योगों में व्यावसायिक शिक्षा से कृषि ट्रेड का हटाना ज्ञापन कृषि ट्रेड समूह सदस्य और कृषि शास्त्र राज शास्त्रीकर के द्वारा केरना गुवाडी से अनुरोध होगा। एक और बात केंद्र राज्य सरकार उक्त कृषि और व्यवसायीकरण पर जोर दे रही है। समय शिक्षा छत्तीसगढ़ द्वारा व्यावसायिक शिक्षा से कृषि ट्रेड का हटाना ज्ञापन अनुचित है। विद्यार्थियों ने प्रदर्शन में कृषि एवं कृषि शिक्षा के उन्नत शिक्षा के पथ में रहे कृषि ट्रेड के लिए स्वीकृत पदों को यथावत रखने के लिए अनुचित प्रदान करने की मांग की है। अन्यथा विद्यार्थियों ने उग्र आंदोलन को चेतावनी दी है।

विकित्सालय पहुंचने वाले मरीज का तत्काल ईलाज प्रारंभ करना सुनिश्चित करें - कलेक्टर



राजनान्दागं। (नांदगांव टाइम्स)। कलेक्टर सम्मया का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज यहां जिले में संचालित जिला चिकित्सालय, मेडिकल कालेज, नर्सिंग कालेज, सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, नर्सिंग होम एवं अन्य चिकित्सकीय संस्थानों के सुरक्षा की व्यवस्थाओं के संबंध में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गंग विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने चिकित्सा से संबंधित क्लीनिक एवं अन्य चिकित्सकीय संस्थानों संचालकों से कहा कि चिकित्सकीय सेवा सबसे महत्वपूर्ण मानवीय सेवा है। इसको बेहतर बनाए रखने के लिए हमें विशेष रूप से ध्यान देना है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकीय संस्थानों में जब भी मरीज ईलाज के लिए आते हैं, तो उन्हें चिकित्सक तत्काल समय देकर उनका ईलाज प्रारंभ करें। उनका समय पर ईलाज सुनिश्चित करें, इससे किसी अनावश्यक

अपनी संस्था की विश्वसनीयता को बनाए रखने का प्रयास करें। इसके अलावा संस्था में सभी प्रकार के आवश्यक सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं को बनाए रखें। आवश्यकता पड़ी पर सीसीटीवी कैमरे के साथ काम आते हैं। इसके अलावा संस्था के आस-पास अव्यवस्थित लोगों की भी निगरानी होती है और आवश्यकता पड़ने पर उन पर कार्रवाई भी की जा सकती है। उन्होंने सभी चिकित्सकीय संस्थान के संचालकों से आग्रह करते हुए कहा कि मरीजों की सेवा करना एक सामाजिक एवं महत्वपूर्ण सेवा है, मरीजों के त्वरित इलाज करना का प्रयास करें। इससे मरीजों के परिवारों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी और उनके अक्रोश का भी सामना नहीं करना पड़ेगा। चिकित्सक अपने व्यवहार पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित करने के साथ ही समय पर त्वरित रिपॉस सुनिश्चित करें।

गायत्री विद्यापीठ में राष्ट्रीय खेल दिवस हर्षोल्लास पूर्ण मनाया गया

पालकों की खेलों में सहभागिता ने अद्भुत छटा बिखेरी



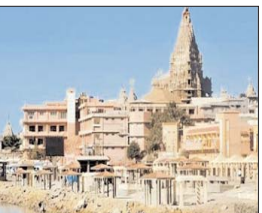
राजनान्दागं। (नांदगांव टाइम्स)। खेल जैसे महत्वपूर्ण विषय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिले की प्रतिष्ठित शाहा गायत्री विद्यापीठ में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रज्जलन के साथ मेजर ध्यानचंद को बड़ा-सूतन अर्चित कर पालकों एवं विद्यार्थियों की साथ विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। आयोजन का शुभारंभ शाहा की प्राचार्य श्रीमती रीतिका नायर के स्वागत भाषण से किया गया जिसमें उन्होंने पालकों का स्वागत अभिनंदन कर सभी को खेलों का जीवन में महत्व बताते हुए कहा कि खेल से हमारी मानसिक, शारीरिक विकास के साथ-साथ समुचित, एकजुटता का विकास होता है, खेल हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ हमें सकरात्मक सोच, संघर्ष करने और जीतने की क्षमता प्रदान करती है। सांस्कृतिक प्रभारी रूपाली गोर्खी द्वारा विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया।

क्रोड अभिकारी श्री अश्विनेश मिश्रा के मार्गदर्शन में पालकों एवं विद्यार्थियों हेतु विभिन्न मनोरंजन एवं शिवाग्र प्रारंभ करते हुए, जिसमें पालकों एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भरपूर लाभ उठाया।

उनके शानदार प्रदर्शन से शालियों की गूँघ आरंभ से अंत तक सुनाई देती रही। मुख्य खेलों में रस्सी खींच, तीरू दीड़, आलू दीड़ आदि अनेक खेल रहे गए। पालकों ने आनंद विभोर होकर विद्यालय एवं विद्यालयीन व्यवस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि आज हम सबसे एक बार फिर से अपने बचपन को विाया है। उक्त आयोजन में व्याख्याता आशीष सोनवानी एवं शिक्षक यादराव साहू शाहनाद वीडियोग्राफ एवं फोटोग्राफी किया गया। इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष वृजकिशोर सूरजन, उपप्रधान श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, श्री राशेन गुप्ता, सचिव श्री गगन सहा, सहसचिव निरंजु सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकांत वित्तागोण, संरक्षक श्री नंदीकराज सूरजन, श्रीमती सुष्मा सूरजन, सांस्कृतिक प्रभारी श्री हरीश गोधी, श्रीमती रूपाली गोधी, एकेडमिक डायरेक्टर श्री अमित उल्लवार, प्राचार्य श्रीमती रीतिका नायर, उप प्राचार्य श्रीमती रीतिका नायर, शासक अजित वाघपेरी, स्कूल मैनेजर तरुणाली सिंह टुटेजा एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने शुभकामनाएं दीं।

धर्म समाचार....

माना जाता है कि मधुरा छोड़ने के बाद श्रीकृष्ण पश्चिम की ओर चले गए, जहाँ उन्होंने एक नया नगर बसाया था। उसे ही द्वाका के नाम से जाना गया, जो कालांतर में समुद्र में डूब गई थी। कुछ सप्त पाले भेजकर हस्तेन्द्रप्रद अफ ओशनग्राफ़ी ने द्वाका की खोज के लिए बहुत अभियान चलाया था, जिसमें समुद्र के अंदर श्रीकृष्ण की इस नगरी के अवशेष भी मिले। वर्तमान में द्वाका गुगरात के काठियावाड़ इलाके में अरब सागर के द्वीप पर स्थित है। जहर में अनेक द्वार यानी दरवाजे होने के कारण इसका नाम द्वाका पड़ा था। शहर के आसपास कई लंबी दीवारें बनाई गई थीं, जो कि आज भी समुद्र के अंदर दिखाई देती हैं। द्वाका समुद्र में करीब 300 फीट की गहराई में डूबी है। हालाँकि द्वाका के स्थान के संबंध में भिन्न-भिन्न मत प्रचलित हैं। जम्मन के मौके पर दैनिक पाठकर ने ऑर्किटोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के एडमिरल डायरेक्टर जनरल डॉ. आलोक त्रिपाठी से बात की। आलोक त्रिपाठी ने ही द्वाका में समुद्र के अंदर इस नगरी का ज्ञान वाली टीम को लीड किया था। इसके अलावा हमारी टीम ने पुरातात्विक स्थलों के शोधक 'इसरो' के रिसर्चइंडियट्र डॉ. पीपल उबर से भी खाल बातचीत की। डॉ. उबर के मुताबिक गुजरात समेत पंजाब ऐसी जगह हैं, जो श्रीकृष्ण की मूल



द्वाका नगरी को का दाना कर सकती हैं। सबसे पहले हम मिलते हैं डॉ. आलोक त्रिपाठी से, जिन्होंने गिरती देश के शोध पुरातत्वविदों में होती हैं। उन्होंने ज्ञानवर्गी मन्विद का सर्वेक्षण करने वाली टीम का भी नेतृत्व किया था। डॉ. त्रिपाठी 1987 में एक पुरातत्वविद के रूप में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसएसआई) में शामिल हुए। उसी वर्ष एसएसआई ने पत्नी के नीचे पुरातात्विक सर्वेक्षण का निर्णय लिया। इसके लिए विभाग को कुछ ऐसे युवा पुरातत्वविदों की आवश्यकता थी, जो समुद्री पुरातत्व में रुचि रखते हों। डॉ. आलोक त्रिपाठी इन मानदंडों पर खरे उतरें और

उतराखंड और मोहनजोदड़ो में भी हो सकती है द्वाका

उन्हें अंडवार पुरातत्वविद के रूप में चुना गया। वह बहुत समय था, जब द्वाका में अंडवार सर्वे का काम शुरू किया गया था। डॉ. त्रिपाठी और साहू ने 1979 में समुद्र के नीचे द्वाका मीरर के आसपास सुर्वादी की गई। वह एक इमारत के नीचे नीली शिथिली के सीरर का एक हिस्सा पाया गया था। भारतीय पुरातत्व विभाग के डॉ. एसआर राव ने जब वहां खुदाई की तो मिट्टी के कुछ बर्तन भी मिले थे। जांच करने पर ये बर्तन ईसा पूर्व की दूसरी सदी के थे। डॉ. एसआर राव ने भारतीय पुरातत्व विभाग से रिटायर होने के बाद भारतीय राष्ट्रीय विमान आकादमी और एसएसआईआर के साथ मिलकर द्वाका पर एक अंडवार परियोजना शुरू की। जिसमें मैं भी शामिल हुआ। मैंने अपनी पत्नी डुबकी द्वाका में ही लगाई थी। वह प्रोजेक्ट दो चरणों 2001 और 2005 में किया गया था। सबसे पहले हमने द्वाका पर हुए शोध कार्य का अध्ययन किया। गुजरात में कुछ अन्य स्थानों की द्वाका कहा जाता है। हमने इन सभी जगहों का अध्ययन किया, जिसमें सलू द्वाका, पंच द्वाका, माधवपुर, गिरानर के पास की जगह शामिल हैं। ये सभी जगहें भाषागत श्रीकृष्ण से जुड़ी हैं। इससे अलगा कहे जा सकते हैं क्योंकि वे द्वाका का अध्ययन नहीं हैं। यहां से प्राप्त दस्तावेजों और साहित्य में मिले स्थानों की प्राचीनता के उद्धरणों का सत्यापन करने के बाद आधिकारिक हमने जलमग्न द्वाका पर शोध कार्य शुरू किया।

नवंबर महीने में कब है दिवाली? नोट करें शुभ मुहूर्त, योग एवं पूजन समय
धार्मिक माह है कि कार्तिक माह की अमावस्या तिथि पर मां लक्ष्मी की पूजा करने से आय सख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। साथ ही धन संबंधी परंपराएं शुरू होती हैं। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि पर लक्ष्मी गणेश जी की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही धन की देवी मां लक्ष्मी के विभिन्न व्रत-उपवास रखा जाता है। समान धर्म में दिवाली पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व हर वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि पर मनाया जाता है। इस शुभ तिथि पर धन की देवी मां लक्ष्मी और भावना गणेश जी की विधि-विधान से पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त पूजा संघ होने तक व्रत रखा जाता है। धार्मिक माह है कि कार्तिक माह की अमावस्या तिथि यानी दिवाली पर मां लक्ष्मी की पूजा करने से धन संबंधी परंपराएं शुरू होती हैं। इसके साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके लिए दिवाली पर भक्ति भाव से मां लक्ष्मी और भावना गणेश जी की पूजा की जाती है। आइए, दिवाली की सही डेट, शुभ मुहूर्त, पूजा का समय एवं पूजा जानते हैं- वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक माह की अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 03 बजकर 52 मिनेट पर शुरू होगी। वहीं, अमावस्या तिथि का सम्पूर्ण 1 नवंबर को संध्याकाल 06 बजकर 16 मिनेट पर होगा। ज्योतिषियों की मानें तो 01 नवंबर को दिवाली मनाई जाएगी। दिवाली के दिन लक्ष्मी पूजन के लिए शुभ समय संध्याकाल 05 बजकर 36 मिनेट से लेकर 06 बजकर 16 मिनेट तक है। इस समय में धन की देवी मां लक्ष्मी और भावना गणेश जी की पूजा कर सकते हैं। आराधना, अर्घ्य-अर्चना शहरों में पूजा के शुभ समय में और हो सकता है। ज्योतिषियों की मानें तो कार्तिक माह की अमावस्या तिथि पर सुबह 10 बजकर 41 मिनेट तक प्रीति योग का निर्माण हो रहा है। इसके बाद आशुभान योग का योग बन रहा है। जो पूर्ण रात्रि तक है। दिवाली पर शिवरात्र योग का भी निर्माण हो रहा है। शिवरात्र योग संध्याकाल 06 बजकर 16 मिनेट से है। वहीं, स्वाति नक्षत्र का योग दिवाली पर बन रहा है। इन योग में धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी।





प्रयास भी किया गया जो नौदनीय है। जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी है तब से अब तक लोगों के हित में कोई कार्य नहीं किया है। साथ ही राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल है। भाजपा सरकार को लेकर लोगों में स्थिति बन रही है। जिसे छत्तीसगढ़ देख रही है और सुन रही है। राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य से भाजपा कर्सी से उखाड़ फेंकेंगे।